



भारत का राजपत्र The Gazette of India

असाधारण
EXTRAORDINARY

भाग II—खण्ड 3—उप-खण्ड (I)
PART II—Section 3—Sub-section (I)

प्राधिकार से प्रकाशित
PUBLISHED BY AUTHORITY

सं० 199]

नई दिल्ली, सोमवार, मई 4, 1992/वैशाख 14, 1914

No. 199]

NEW DELHI, MONDAY, MAY 4, 1992/VAISAKHA 14, 1914

इस भाग में भिन्न पृष्ठ संख्या दी जाती है जिससे कि यह अलग संकलन के रूप में
रखा जा सके

Separate Paging is given to this Part in order that it may be filed as a
separate compilation

जल-भूतल परिवहन मंत्रालय

(पत्तन पक्ष)

अधिसूचना

नई दिल्ली, 4 मई, 1992

सा.का.नि. 472(अ).—केन्द्र सरकार, महापत्तन न्यास अधिनियम, 1963 (1963 का 38) की धारा 132 की उप धारा (i) के साथ पठित धारा 124 की उप धारा (1) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए कलकत्ता पत्तन न्यासी मंडल द्वारा बनाए गए और इस अधिसूचना के साथ संलग्न अनुसूची में कलकत्ता पत्तन कर्मचारी (पेंशन) प्रथम संशोधन विनियम, 1992 का अंगुमोदन करती है।

2. उक्त विनियम, इस अधिसूचना के सरकारी राजपत्र में प्रकाशन की तारीख को प्रवृत्त होंगे।

[फा. सं. पी.आर-12016/3/92-पी.ई.]

असोक जोशा, संयुक्त सचिव

कलकत्ता पत्तन न्यास कर्मचारी (पेंशन)

प्रथम संशोधन विनियम, 1992

महा पत्तन न्यास अधिनियम, 1963 (38 का 1963) की धारा 28 द्वारा प्रवृत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए कलकत्ता पत्तन का न्यासी मंडल कलकत्ता पत्तन न्यास कर्मचारी (पेंशन) विनियम, 1988 में संशोधन हेतु निम्नलिखित नियम बनाते हैं।

संक्षिप्त नाम

1. इन विनियमों को कलकत्ता पत्तन न्यास कर्मचारी (पेंशन) प्रथम संशोधन विनियम, 1992 कहा जा सकेगा।

(i) सरकारी राजपत्र में प्रकाशन की तिथि से यह लागू हो जाएगी।

2. कलकत्ता पत्तन न्यास कर्मचारी (पेंशन) विनियम, 1988 में—

(i) विनियम 37(6)(क)(i) तथा (ii) के परन्तुक को नीचे निम्नलिखित से प्रतिस्थापित किया जाएगा:—

“बशर्ते कि विधवा के कोई संतान न हो तो उसके हिस्से का पारिवारिक पेंशन रद्द नहीं होगा बल्कि अन्य विधवाओं को समान भाग में देय होगा, और यदि केवल एक ही ऐसी विधवा है तो उसे पूरा ही देय होगा।

बशर्ते कि ऐसे बच्चे या बच्चों को देय पारिवारिक पेंशन का भाग या भागों या विधवा या विधवाओं को देयता समाप्त हो जाने पर ऐसे भाग या भागों को रद्द नहीं माना जाएगा, अपितु उन्हें अन्य विधवा या विधवाओं या/अथवा अन्य बच्चा या बच्चों को जो योग्य होंगे उन्हें समान रूप से देय होगा, और यदि एक ही विधवा या बच्चा है तो पूरी ही ऐसे विधवा या बच्चे को दिया जाएगा”।

(ii) विनियम 36(6) (ख) में एक नए, निम्नलिखित परन्तुक को जोड़ा जा सकता है:—

“बच्चा या बच्चों को देय पारिवारिक पेंशन के भाग या भागों की देयता समाप्त हो जाने की स्थिति में ऐसे भाग या भागों को समाप्त नहीं माना जाएगा बल्कि अन्य विधवा या विधवाओं अथवा/और अन्य बच्चा या बच्चों को यदि वे अन्य रूप से योग्य हों समान भाग से देय होगा और यदि एक ही विधवा या बच्चा है तो पूरी ही ऐसे विधवा या बच्चे को दिया जाएगा”।

टिप्पणी: कलकत्ता पत्तन न्यास कर्मचारी (पेंशन) अधिनियम 1988 को केन्द्रीय सरकार द्वारा स्वीकृति प्रदान की गई थी तथा भारत के राजपत्र (प्रकाशरण) विनांक 17 जून, 1988 में जी एस आर 712 (ई) के तहत 17 जून, 1988 को प्रकाशित की गई थी।

MINISTRY OF SURFACE TRANSPORT

(Ports Wing)

NOTIFICATION

New Delhi, the 4th May, 1992

G.S.R. 472(E).—In exercise of the powers conferred by sub-section (i) of Section 124, read with sub-section (i) of Section 132 of the Major Port Trusts Act, 1963 (38 of 1963) the Central Government hereby approves the Calcutta Port Trust Employees' (Pension) First Amendment Regulations, 1992 made by the Board of Trustees for the Port of Calcutta and set out in the Schedule annexed to this Notification.

2. The said regulations shall come into force on the date of publication of this notification in the official Gazette.

[No. PR-12016/3/92-PF. 1]

ASHOKE JOSHI, Jr. Secy.

CALCUTTA PORT TRUST EMPLOYEES' (PENSION)

1st Amendment Regulations, 1992

In exercise of the powers conferred by Section 28 of the Major Port Trusts Act, 1963 (38 of 1963), the Board of Trustees for the Port of Calcutta hereby make the following regulations to amend the Calcutta Port Trust Employees' (Pension) Regulations, 1988.

1. Short Title.—These Regulations may be called the Calcutta Port Trust Employees' (Pension) 1st Amendment Regulations, 1992.

(i) It will be applicable from the date of publication in the official Gazette.

2. In the Calcutta Port Trust Employees' (Pension) Regulations 1988 —

(i) Proviso below Regulations 37(6)(a)(i) and (ii) may be substituted by the following :—

“Provided that if the widow is not survived by any child, her share of the family pension shall not lapse but shall be payable to the other widows in equal shares, or if there is only one such other widow, in full, to her.

Provided further that on the share or shares of the family pension payable to such a child or children or to a widow or widows ceasing to be payable, such share or shares shall not lapse but shall be payable to other widow or widows and/or to other child or children otherwise eligible, in equal shares or if there is only one widow or child, in full to such widow or child.”

(ii) A new proviso to Regulations 37(6)(b) may be added as follows :—

“Provided that on the share or shares of family pension payable to such a child or children ceasing to be payable, such share or shares shall not lapse but shall be payable to the other widow or widows and/or to other child or children otherwise eligible in equal shares or if there is only one widow or child, in full, to such widow or child.”

NOTE :—The Calcutta Port Trust Employees' (Pension) Regulations 1988 were sanctioned by the Central Government and published in the Gazette of India (Extraordinary) dated the 17th June, 1988 vide GSR 712(E) dated the 17th June, 1988.

